No. of Printing Pages 2

एम.एच.डी.-17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन-परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : 50

नोट : निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के **अंक समान** हैं।

1. आर्य नागार्जुन का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं की विशेषताएँ बताइये। [10]

2. महाकवि अश्वघोष के साहित्यिक योगदान को रेखांकित कीजिए। [10]

3. चार्वाकदर्शन ने भारतीय साहित्य को कैसे प्रभावित किया ? विवेचना कीजिए। [10]

4. मध्यकालीन निर्गुण संत कवियों के सामाजिक योगदान के महत्व पर प्रकाश डालिए। [10]

5. बौद्ध दर्शन के आधारभूत सिद्धांत के रूप में 'क्षणिकवाद' की व्याख्या कीजिए। [10]

6. संत कवि 'बेमना' के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए। [10]

7. चिंतन की विवेचना कीजिए तथा कन्नड़ साहित्य में बसेश्वर के योगदान को रेखांकित कीजिए। [10]

8. दलित साहित्य पर नागपंथियों के चिंतन का क्या प्रभाव पड़ा, स्पष्ट कीजिए। [10]

9. भारतीय दलित साहित्य पर बौद्ध चिंतन धारा के प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : [2×5=10]

(क) चार्वाक दर्शन

(ख) निर्गुण संत

(ग) सिद्ध परंपरा

(घ) कन्नड़ भाषा का वचन साहित्य

----- x -----